VI Class Hindi Second Language

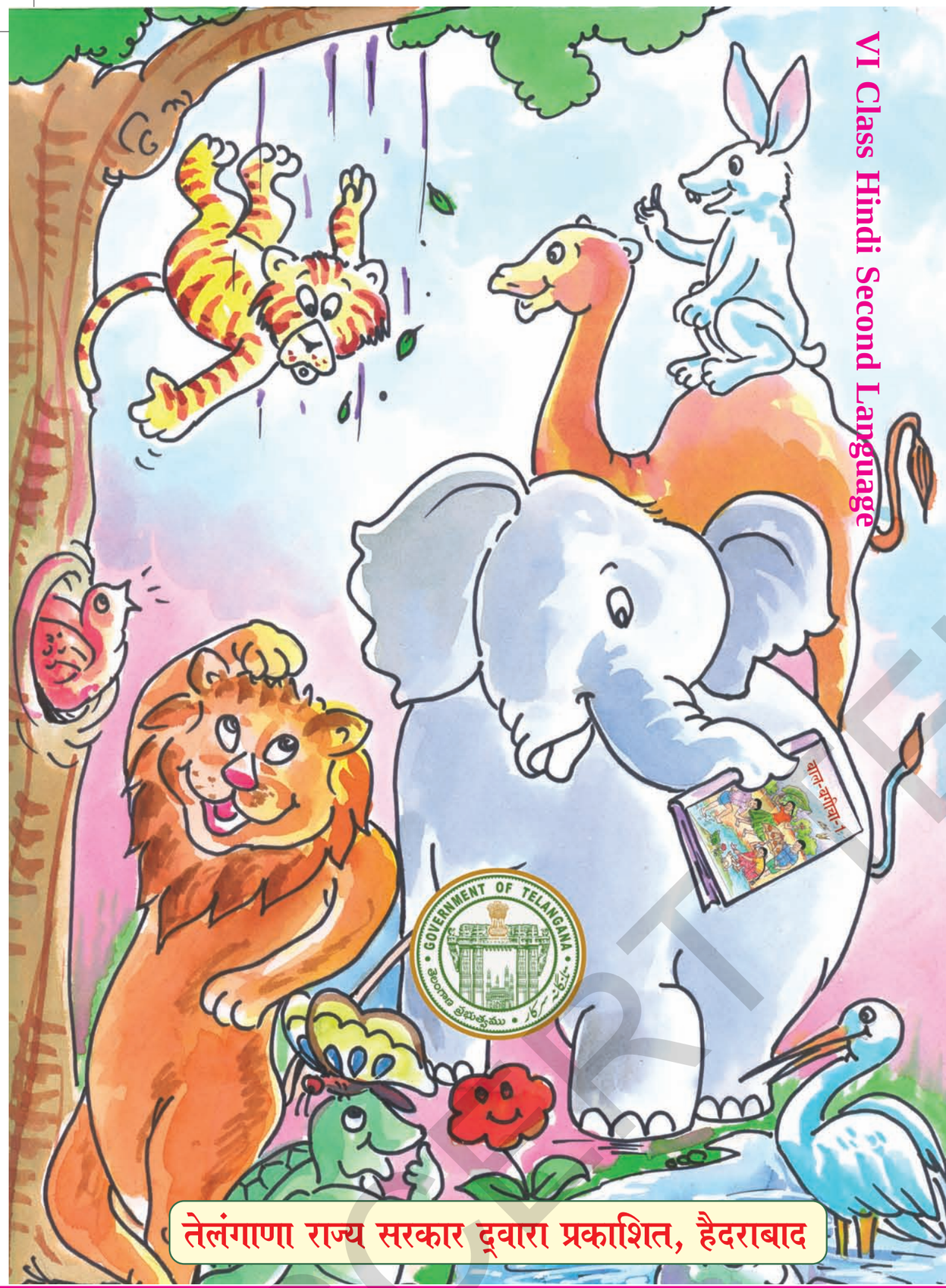

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

बाल-बगीचा-1

FREE

द्वितीय भाषा हिंदी कक्षा - 6 की पाठ्यपुस्तक

VI Class Hindi Second Language

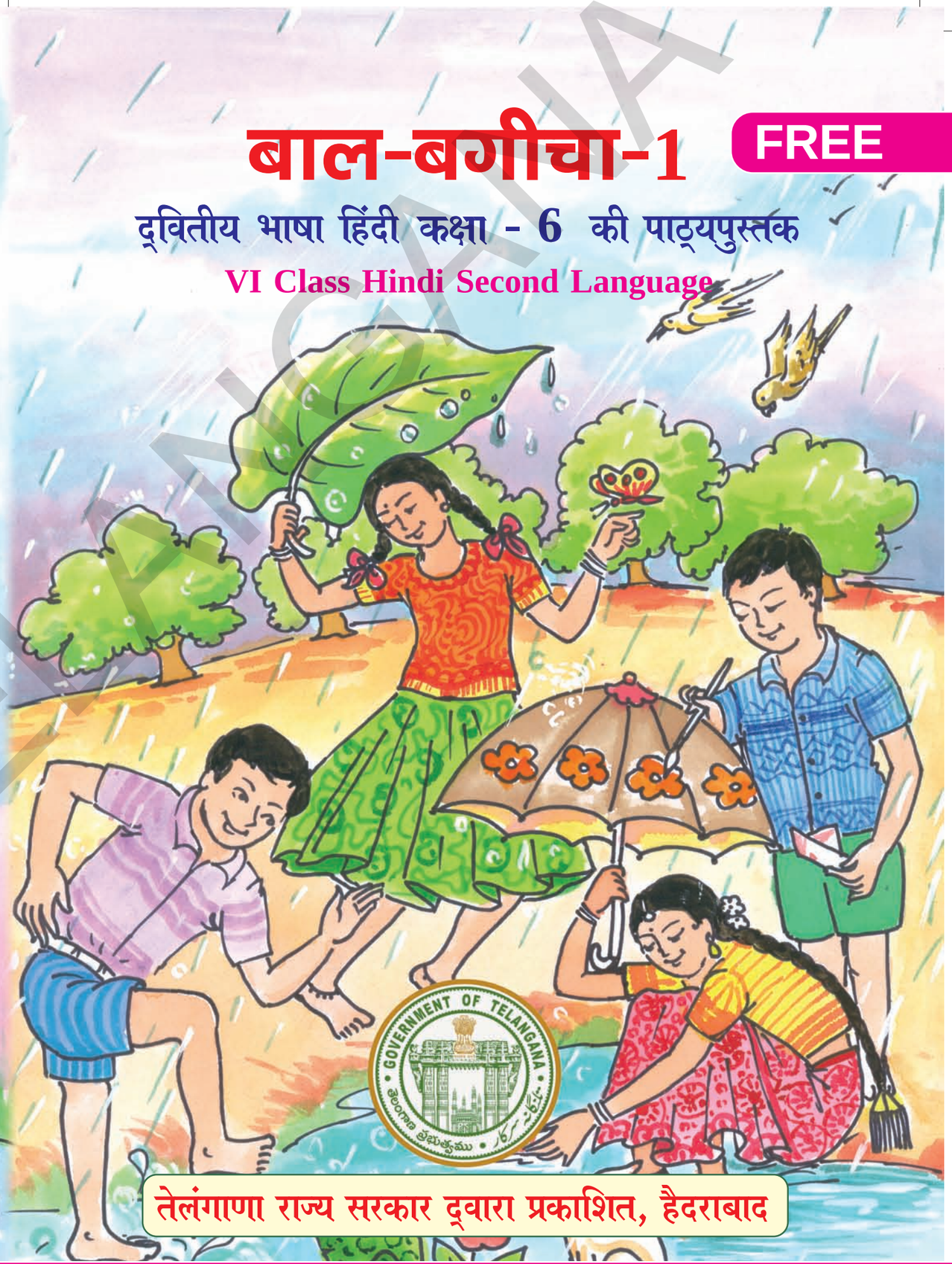

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

*यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप अपने भाषा कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।

*पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।

*हर पाठ में दिये गये चित्र के माध्यम से आप सबसे पहले संज्ञा शब्दों की पहचान, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की पहचान और सोच-विचार के वाक्य बनाने की पहचान करेंगे।

*हर पाठ में 'सुनो-बोलो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार के देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

*हर पाठ में 'पढ़ो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आप में पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।

*हर पाठ में 'लिखो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने चाहिए।

*हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होता है।

*स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गई है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

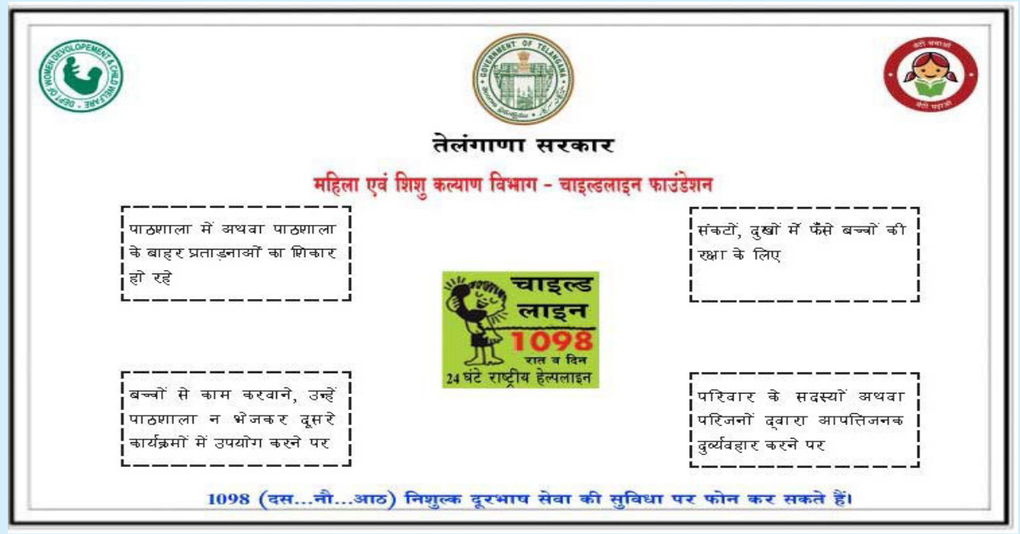

SCERT TELANGANA

बाल-बगीचा-1

कक्षा-6 हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-VI Hindi (Second Language)

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : **श्रीमती बी. शेषु कुमारी**
निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा

कार्यकारी प्रधान आयोजक : **श्री बी. सुधाकर**
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, तेलंगाणा राज्य

आयोजन प्रभारी : **डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी**
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

संपादक मंडल : **प्रो. टी. वी. कट्टीमनी**
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय,हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
उस्मानिया विश्वविद्यालय

समन्वयक : **श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी**
प्राध्यापिका, आई. ए. एस. ई., नेल्लूर, आं. प्र.

सय्यद मतीन अहमद,
हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद

डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

शैक्षिक सलाहकार : **डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री**
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री सुवर्ण विनायक
एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्रीमती चारु सिन्हा, I.P.S
(विशेष सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना)
निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana, Hyderabad.

First Published 2012
New Impressions - 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T. S. Government 2020-21

Printed in India
at Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सिखानी है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं।

इस पाठ्य-पुस्तक में रंगीन चित्र, बालगीत, छोटे संभाषण, चित्रपठन, चित्रकथा, पठन पाठ, रोचक कहानियाँ आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में सोच-विचार कर उत्तर देना, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना कर सकते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यालयीन पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

* इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में बाँटा गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
* पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोणों से सोचने का अवसर दें।
* पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। बालगीत, कविता आदि श्यामपट पर लिखें, पढ़ें, पढ़वायें, सुनायें। अभिनययुक्त पठन करवायें।
* हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
* पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बाँटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर दें, जिससे वे स्वयं ये अभ्यास कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में ही अभ्यास पुस्तिका निहित है। अतः इसके साथ-साथ छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका हो जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
* इसमें वर्ण सीखने की प्रक्रिया संदर्भ, वाक्य, शब्द, अक्षर के क्रम में हैं। इसलिए अक्षर वर्णमाला के क्रम में नहीं हैं। सीखे गये अक्षर बालक वर्णमाला चार्ट में पहचान सकते हैं।
* इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
* यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
* प्रत्येक इकाई में पठन हेतु एक पाठ भी दिया गया है। इसके द्वारा छात्र स्वयं उसका पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
* विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे कि छात्रों को आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा मिलें।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सय्यद मतीन अहमद
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

कुमारी ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
जिला हिंदी संसाधक, नलगोंडा

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती बी. वी. शारदा देवी
जिला हिंदी संसाधक, पूर्व गोदावरी

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उसमान
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद अज़मत खान
हिंदी अध्यापक, रंगारेड्डी

श्री जी. तिरुपति रेड्डी
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. पठान रहीम खान
सहायक आचार्य, एम.ए.एन.यु विश्वविद्यालय

श्री मोहम्मद कलीम
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

चित्रांकन

श्री बीरा श्रीनिवास
खम्मम, तेलंगाणा राज्य

श्री कुरेल्ला राघवचारी
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री वड्डेपल्ली वेंकटेशम
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री टी. वी. राधाकृष्णा
मेदक, तेलंगाणा राज्य

श्री चेंचला वेंकटरमणा
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

डी. टी. पी. एवं ले आउट : श्रीमती एन. हेमलता

SCERT TELANGANA

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

- बंकिमचंद्र चटर्जी

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
I.		पाठशाला	चित्रपठन	जून	02
	1.	आम ले लो आम!	बालगीत	जुलाई	04
	2.	हमारा गाँव	बालगीत	जुलाई	08
	3.	रेलवे स्टेशन	बालगीत	अगस्त	12
II.		तीन मित्र	चित्रपठन	अगस्त	17
	4.	बाज़ार	बालगीत	अगस्त	18
	5.	मेरा परिवार	बालगीत	सितंबर	24
	6.	चिड़ियाघर	चित्रपठन	सितंबर	28
III.		.....	चित्रकथा	अक्तूबर	33
	7.	मैदान	चित्रपठन	अक्तूबर	34
	8.	बाल दिवस	वार्तालाप	नवंबर	40
	9.	खुशियों की दुनिया	कविता	नवंबर	44
IV.		हिंद देश के निवासी	गीत	दिसंबर	49
	10.	चुक्की और जब्बार	कहानी	दिसंबर	50
	11.	उद्यान	निबंध	जनवरी	56
	12.	बच्चे चले क्रिकेट खेलने	कहानी	फरवरी	60

ये पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण